(DHIND01)

Total No. of Questions : 10] [Total No. of Pages : 01

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY - 2018

(First Year)

HINDI

History of Hindi Literature

हिन्दी साहित्य का इतिहास

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

Q1) हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल-विभाजन पर विचार कीजिए ।

Q2) वीरगाथाकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए ।

Q3) निर्गुण भक्त कवि के रूप में कबीरदास का परिचय दीजिए ।

Q4) हिन्दी के कृष्ण भक्त कवियों में सूरदास के स्थान को निर्धारित कीजिए ।

Q5) रीतिकाल को बिहारीलाल के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

Q6) भारतेन्दु काल में हिन्दी गद्य के विकास पर अपने विचार प्रकट कीजिए ।

Q7) छायावादी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।

Q8) निबंध-कला की दृष्टि से रामचन्द्र शुक्ल के निबंधो की समीक्षा कीजिए ।

Q9) हिन्दी उपन्यास साहित्य को प्रेमचन्द की देन को स्पष्ट कीजिए ।

Q10) किन्हीं दो कवियों का परिचय दीजिए ।

अ) रहीम ।

आ) मैथिलीशरण गुप्त ।

इ) तुलसीदास ।

ई) दिनकर ।

⊖⊖⊖

(DHIND02)

Total No. of Questions : 10] **[Total No. of Pages : 01**

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY - 2018

First Year

HINDI

Theory of Indian and Western Literature

भारतीय और पाश्चात्य काव्य शास्त्र

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

Q1) रस का अर्थ बतलाते हुए भरत मुनि के रस-सूत्र का परिचय दीजिए ।

Q2) ध्वनि संप्रदाय का परिचय देकर कविता में उसके महत्व को समझाइए ।

Q3) औचित्य-संप्रदाय की मान्यताओं का उल्लेख करते हुए अन्य संप्रदायों की तुलना में उसकी विशेषताओं का उद्‌घाटन कीजिए ।

Q4) अलंकार की परिभाषा देते हुए कविता में उस के महत्व को स्पष्ट कीजिए ।

Q5) वक्रोक्ति-संप्रदाय के इतिहास पर प्रकाश डालिए ।

Q6) 'प्लेटो के काव्य-सिध्दान्त' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

Q7) अरस्तू के अनुकरण सिध्दांत का विवेचन कीजिए ।

Q8) टी.एस. इलियट के निर्वयक्तिकतावाद का विवेचन प्रस्तुत कीजिए ।

Q9) मार्क्सवादी साहिसिक चिंतन की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए ।

Q10) किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए ।

i) निबंध । ii) प्रबंध काव्य ।

iii) रेखाचित्र । iv) संस्मरण ।

⊖⊖⊖

(DHIND03)

Total No. of Questions : 10] **[Total No. of Pages : 03**

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY - 2018

(First Year)

HINDI

Old and Medieval Poetry

प्राचीन एवं मध्य युगीन काव्य

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।
शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

Q1) संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए । **[4 × 3½ = 14]**

a) धरीं तीर सब छीपक सारीं । सरबर महँ पैठी सब बारी ।
पाएँ नीर जानु सब बेलीं । हुलसी करहिं काम कैकेलीं ।
नवल बसंत सवारहिं करीं । होई परगट चाहहिं रस भरीं ।
करिल केस बिसहर बिसभरे । लहरैं लेहि केवल मुख धरे ।
उठे कोंप जनु दाखिँ दाखा । भई ओनंत प्रेम कै साखा,
सरवर नहिं समाइ संसारा । चाँद नहाड पैठ लिए तारा ।
धनि सो नीर ससि तरई उरईं । अब कत दिस्टि कँवल औकुईं ।

अथवा

b) सतगुरू ऐसा चाहिए जैसा सिकलीगर होई ।
सबद मसकला फेरि करि देह द्रपन करे केई ।।

c) धुनि निसाँन बहु साद, नाद सुरपंच बचत दिन ।
दस हजार हय चढ़त, हेम नग जटिक साज तिन ।।
गज असष गजपतिय, मुहर सेना तिन संषह ।
इन नायक कर धरी, पिनाक धर भर रज रषह ।।
दस पुत्र पुत्रिय एक सम, रथ सुरग उमर डगर ।
भण्डर लछिय अगनित पदम, सो पदमसेन कुंवर सुघर ।।

अथवा

d) उध्दव मन अभिलाष बढ़ायो ।
जदुपति जोग जानि जिय साँचो नयन अकास चढ़ायों ।।
नारिन पै मोको पठवत हौ कहत सिखावन जोग ।।
मनहीं मन अब करत प्रसंसा है मिथ्या सुखभोग ।।
आयसु मानि लियो सिर ऊपर प्रभु आज्ञा परमान ।।
सूरदास प्रभु पठवत गोकुल मैं क्यों कहौं कि आन ।।

e) आयो घोष बड़ो व्यापारी ।

लाद खेंप गुन ज्ञान जोग की ब्रज में आय उतारी ।।

फाटक दै कर हाटक माँगत भोरै निपट सु धारी ।

धुर ही तें खोटो खायो है लए फिरत सिर भारी ।

इनके कहे कौन डहकावै ऐसी कौन अजानी?

अपनो दूध छाँड़ि को पीवै खार कूप को पानी ।।

ऊधो जाहु सबार यहाँ तें बेगि गहरू जनि लावौ ।

मुहमाग्यो पैहो सूरज प्रभु साहुहि आनि दिखावौ ।।

अथवा

f) पुनि बंदउँ सारद सुरसरिता । जुगल पुनीत मनोहर चरिता ।।

मज्जन पान पाप हर एका । कहत सुनत एक हर अबिबेका ।।

गुर पितु मातु महेस भवानी । प्रनवउँ दीनबंधु दिन दानी ।।

सेवक स्वामी सखा सिय पी के । हितनिरूपधि सबविधि तुलसी के ।।

g) खेलन सिखए अलि भलैं, चतुर अहेरी मार ।

कानन-चारी नैन-मृग, नागर नरनु शिकार ।।

अथवा

h) पुरन प्रेम को मंत्र पहापन, जा मधि सोधि सुधारि है लेख्यौ ।

ताहि के चारू-चरित्र विचित्रनि यौं पचिकै रचि राखि बिसेख्यौ ।

ऐसो हियो-हित-पत्र पवित्र जु आन कथा न कहूँ अवरेख्यौ ।

सो घन आनंद जान अजान लौं टूक कियो पर बाँचिन देख्यौ ।।

[4 × 14 = 56]

Q2) 'पृथ्वीराज रासो' की प्रमाणिकता पर विचार कीजिए ।

Q3) जायसी कृत 'पद्मावत्' के 'मानसरोदक खण्ड' पर प्रकाश डालिए ।

Q4) कबीर के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक चेतना को समझाइए ।

Q5) 'रामचरितमानस' के बालकाण्ड की विशेषताओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

Q6) जायसी के रहस्यवाद की समीक्षा कीजिए ।

Q7) गीतयोजना की दृष्टि से विद्यापति के पदों की विशिष्टता पर प्रकाश डालिए ।

Q8) सूरदास की भक्ति भावना को समझाइए ।

Q9) बिहारी की काव्यगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

Q10) घनानंद के काव्य के कला पक्ष पर प्रकाश डालिए ।

⊖⊖⊖

(DHIND04)

Total No. of Questions : 10] **[Total No. of Pages : 02**

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY - 2018

(First Year)

HINDI

Hindi Prose-Drama, Novel, Stories and Essay

हिन्दी गद्य: नाटक, उपन्यास, कहानी और निबंध

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । **[4 ×3½ = 14]**

शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **[4 × 14 = 56]**

Q1) संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए । **[4 ×3½=14]**

a) वह अपना रूप और यौवन उन्हें न दिखाना चाहती थी; क्योंकि वे देखने वाली आँखे न थीं । वह उन्हें इन रसों को आस्वादन करने के योग्य ही न समझती थी ।

(अथवा)

b) मातृ-प्रेम में कठोरता होती थी लेकिन मृदुलता से मिली हुई । इस प्रेम में करूणा थी, पर वह कठोरता न थी, जो आत्मीयता का गुप्त सन्देश होती है । स्वस्थ अंग की परवाह कौन करता है? लेकिन वह अंग जब किसी वेदना से टपकने लगता है तो उसे ठेस और धक्के से बचाने का प्रयत्न किया जाता है ।

c) आर्थावर्त का भविष्य लिखने के लिए कुचक्र और प्रतारण की लेखनी और मसि प्रस्तुत हो रही है।

(अथवा)

d) मेरा देश है, मेरे पहाड़ है, मेरी नदियॉ है और मेरे जंगल हैं ।

इस भूमि के एक-एक परमाणु मेरे हैं और मेरे शरीर के एक-एक क्षुद्र अंश उन्ही परमाणुओं के बने हैं ।

e) नाना विषयों के बोध का विधान होने पर ही उनसे सम्बन्ध रखनेवाली इच्छा की अनेक रूपता के अनुसार अनुभूति के वे भिन्न-भिन्न योग संघटित होते हैं जो ''भाव था मनोविकार'' कहलाते हैं।

(अथवा)

f) श्रध्दा और प्रेम के योग का नाम ''भक्ति '' है । जब पूज्य भाव की वृध्दि के साथ श्रध्दा भावना के समीप्य - लाभ की प्रवृती हो,उस की सता के कई रूपों के साक्षात्कार की वासना हो, तब हृदय में भक्ति का प्रदुर्भाव समझना चाहिए ।

g) बेटा, बडा वास्तव में कोई उम्र में था दर्जे से नही होता । बडा तो बुद्धि से होता है, योग्यता से होता हैं । छोटी बहू उम्र में न सही, अक्ल में हम सब से निश्चय ही बड़ी है । हमें चाहिए कि उसकी बुद्धि से, उसकी योग्यता से लाभ उठायें ।

(अथवा)

h) मानव जो जीवन का श्रेष्ठतम रूप है, जीवन के अन्य रूपों के प्रति इतनी वितृष्णा और विरक्ति और मुत्यु के प्रति इतना मोह और इतना आकर्षण क्यों ?

Q2) "''चन्द्रगुप्त'' अथवा ''चाणक्य'' की चरित्रगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

Q3) तत्वों के आधार पर ''चन्द्रगुप्त'' नाटक की समीक्षा कीजिए ।

Q4) ''निर्मला'' उपन्यास में प्रतिपादित समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

Q5) तत्वों के आधार पर ''निर्मला'' उपन्यास की समीक्षा कीजिए ।

Q6) रामचंद्र शूक्ल जी की निबंध-कला पर प्रकाश डालिए ।

Q7) तत्वों के आधार पर 'परदा' कहानी का मूल्यांकन कीजिए ।

Q8) एकांकी के तत्वों के आधार पर 'सूखीडाली' या 'रीढ की हड्डी' का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए ।

Q9) रेखाचित्र की विशेषताओं के आधार पर 'सोना' रेखाचित्र की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

Q10) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए ।

a) भाव या मनोविकार
b) सिकंदर
c) तोताराम
d) उत्साह

⊖⊖⊖

(DHIND05)

Total No. of Questions : 10] **[Total No. of Pages : 03**

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY - 2018

(First Year)

HINDI

Modern Poetry

आधुनिक कविता

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।

शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

Q1) निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए । **[4 × 3½ =14]**

a) ध्वनिमयी करके गिरि - कन्दरा ।
कलित - कानन केलि - निकुन्ज को ।
मुरलि एक बजी इस काल की
तरणिजा - तट - रंजित - कुंज में ।

अथवा

b) ''एक विस्मृति का स्तूप अचेत,
ज्योति का धुँधला -सा प्रतिबिंब;
और जड़ता की जीवन राशि,
सफलता का संकलित विलंब ।

c) ''ऐसे क्षण अन्धकार धन में जैसे विद्युत
जागी - पृथ्वी - तनया - कुमारिका - कवि अच्युत
देखते हुए निष्पलक, याद आया उपवन
विदेह का - प्रथम स्नेह का लतान्तराल मिलन
नयनों का नयनों से गोपन-प्रिय संभाषण, -
पलकों का नव पलकों पर प्रथमोत्थान पतन.......।''

अथवा

d) तीस कोटि सुत, अर्ध नग्न तन,
अन्न वस्त्र पीड़ित, अनपढ़ जन,
झाड फूँस स्वर के घर आँगन,
प्रगत शीश

तरूतल निवासिनी !

e) तारकमय नव वेणी बंधन,

शीश-फूल कर शशि का नूतन,

इश्मि-वलय सित घन-अव गुंठन,

अथवा

f) लेना अनल-किरीट थाल पर ओ आशिक होनेवाले !

कालकूट पहले पी लेना, सुधा बीज बोनेवाले !

g) अट्टारह दिनों के इस भीषण संग्राम में कोई नहीं, केवल मैं ही मरा हूँ करोडों बार,

अश्वत्थामा के अंगों से

रक्त, पीप, स्वेद, बनकर रहूँगा,

मैं ही युग-युगान्तर तक.

जीवन हूँ मैं

तो मृत्यु भी तो मैं ही हूँ माँ !

शाप यह तुम्हारा स्वीकार है ।

अथवा

h) सैकत-शय्या पर दुग्ध-धवल,

ततवंगी गंगा, ग्रीष्म-विरल, लोटी है श्वांत, कलांत, निश्चल!

तापस-वाला गंगा निर्मल, शशि मुख से दीपित मृदु-करतल,

लहरे उर पर कोमल कुन्तल ।

[4 × 14 = 56]

Q2) 'प्रिय प्रवास' क प्रथम सर्ग की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

Q3) 'कामायनी' में व्यक्त जीवन-दर्शन की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

Q4) 'राम की शक्तिपूजा' के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए ।

Q5) 'नौका विहार' कविता की मूल संवदेना पर प्रकाश डालिए ।

Q6) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

Q7) 'दिगंबरी' कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

Q8) 'असाद्यवीणा' की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

Q9) 'अंधायुग' में प्रतिपादित युध्द और शांति की समस्या की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए ।

Q10) किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए ।

अ) 'ताज' की विशेषताएँ ।

ब) 'भारतमाता' कविता का सारांश ।

क) 'अंधायुग' में गांधारी का चरित्र ।

ड) 'नदी के द्वीप' का प्रतिपाद्य ।